भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1976
दिनांक 17 दिसंबर, 2025 के लिए प्रश्न

पशु औषधि केन्द्रों का कार्यान्वयन और विस्तार

1976 श्रीमती सुधा मूर्ती:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मार्च, 2025 में घोषित पशु औषधि केन्द्र पहल के उद्देश्यों सहित प्रस्तावित कार्यान्वयन की रूपरेखा का ब्यौरा क्या है;

(ख) अब तक देश भर में स्थापित किए गए पशु औषधि केन्द्रों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या इन केंद्रों से आज की तिथि तक लाभान्वित हुए पशुपालक या किसानों के बारे में कोई आंकड़ा उपलब्ध है; और

(घ) क्या सरकार की पशु औषधि केंद्रों के माध्यम से आपूर्ति की जाने वाली दवाओं की श्रृंखला को सभी प्रकार के जानवरों तक विस्तारित करने की कोई योजना है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (घ) पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार ने पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) के तहत प्रधानमंत्री-किसान समृद्धि केंद्रों (PM-KSKs) और सहकारी समितियों (CSs) के माध्यम से सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा औषधियों की बिक्री के लिए एक नया घटक 'पशु औषधि' प्रारंभ किया है।

ii. पशु औषधि के लिए प्रचालन दिशानिर्देश तैयार कर लिए गए हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किए गए हैं। इन्हें पशुपालन और डेयरी विभाग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है। इसमें पशु औषधि विक्रय केंद्र (PAVKs) खोलने के लिए पात्रता मानदंड और आवश्यकताएं, मार्जिन और प्रोत्साहन, PAVK चलाने के लिए नियम और शर्तें, प्रशिक्षण और जागरुकता इत्यादि शामिल हैं।

iii. एथेनो पशुचिकित्सा औषधियों और उपभोज्य सहित 134 जेनेरिक पशुचिकित्सा औषधियों की एक सूची फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेस ब्यूरो ऑफ़ इंडिया (PMBI) को खरीदने के लिए दी गई है।

iv. प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों और सहकारी समितियों की सूची संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को भेजी गई है, जिसमें अनुरोध किया गया है कि वे आकांक्षी जिलों/खंडों को प्राथमिकता देते हुए उपयुक्त, इच्छुक, रणनीतिक रूप से स्थित प्रधानमंत्री-किसान समृद्धि केंद्रों और सहकारी समितियों की पहचान करें और उन्हें ऑनलाइन अप्लाई करने के लिए जागरूक करें। PAVKs खोलने के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने का लिंक पशुपालन और डेयरी विभाग की वेबसाइट पर दिया गया है।

******